Series : QR1SP

SET-3

प्रश्न-पत्र कोड **29/1/3**

रोल नं. | | | | | | | | |

परीक्षार्थी प्रश्न-पत्र कोड को उत्तर-पुस्तिका के मुख-पृष्ठ पर अवश्य लिखें ।

{}

नोट :

(I) कृपया जाँच कर लें कि इस प्रश्न-पत्र में मुद्रित पृष्ठ **15** हैं ।

(II) प्रश्न-पत्र में दाहिने हाथ की ओर दिए गए प्रश्न-पत्र कोड को परीक्षार्थी उत्तर-पुस्तिका के मुख-पृष्ठ पर लिखें ।

(III) कृपया जाँच कर लें कि इस प्रश्न-पत्र में **13** प्रश्न हैं ।

(IV) **कृपया प्रश्न का उत्तर लिखना शुरू करने से पहले, उत्तर-पुस्तिका में यथा स्थान पर प्रश्न का क्रमांक अवश्य लिखें ।**

(V) इस प्रश्न-पत्र को पढ़ने के लिए 15 मिनट का समय दिया गया है । प्रश्न-पत्र का वितरण पूर्वाह्न में 10.15 बजे किया जाएगा । 10.15 बजे से 10.30 बजे तक परीक्षार्थी केवल प्रश्न-पत्र को पढ़ेंगे और इस अवधि के दौरान वे उत्तर-पुस्तिका पर कोई उत्तर नहीं लिखेंगे ।

हिन्दी (ऐच्छिक)
HINDI (Elective)

निर्धारित समय : 3 घण्टे *अधिकतम अंक : 80*

सामान्य निर्देश :

निम्नलिखित निर्देशों को बहुत सावधानी से पढ़िए और उनका सख़्ती से अनुपालन कीजिए :

(i) *इस प्रश्न-पत्र में प्रश्नों की संख्या 13 है ।*

(ii) *इस प्रश्न-पत्र में* ***तीन*** *खंड हैं –* ***खंड-'क', 'ख'*** *और* ***'ग'*** *।*

(iii) *तीनों खंडों के प्रश्नों के उत्तर देना अनिवार्य है ।*

(iv) *दिए गए निर्देशों का पालन करते हुए सभी प्रश्नों के उत्तर लिखिए ।*

(v) *यथासंभव सभी खंडों के प्रश्नों के उत्तर क्रमानुसार लिखिए ।*

खंड – क

(अपठित बोध)

1. निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर दिए गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए : **10**

मोटापा भारत समेत दुनिया के विभिन्न देशों में बढ़ती हुई एक स्वास्थ्य समस्या का विषय है । यह सभी आयु, वर्ग और पृष्ठभूमि के व्यक्तियों को प्रभावित करता है । इसे शरीर में अतिरिक्त चर्बी के रूप में परिभाषित किया जाता है और आमतौर पर इसे 'बॉडी मास इंडेक्स' द्वारा मापा जाता है । मोटापा और अधिक वजन की समस्या समय के साथ बढ़ती जाती है । इसका खतरा सिर्फ़ इसी बात से तय नहीं होता कि कितना खाया जा रहा है, बल्कि किस तरह के खाद्य या पेय पदार्थों का सेवन किया जा रहा है, कितनी और किस तरह की शारीरिक गतिविधियाँ की जा रही हैं, रात में कितनी अच्छी नींद ली जा रही है, इन सबसे भी यह निर्धारित होता है ।

मोटापे का सामाजिक माहौल और विभिन्न तनावों से भी गहरा रिश्ता है । संक्षेप में कहें तो व्यवहार और जीवन-शैली, आसपास का माहौल, पारिवारिक इतिहास और अंदरूनी शारीरिक बदलाव मोटापे के कारण हैं । अधिक वजन और मोटापा टाइप-2 मधुमेह, हृदय संबंधी रोग, कई तरह के कैंसर और अन्य समस्याओं को जन्म दे सकता है । ऐसे में, इस समस्या से पार पाने के लिए 'सार्वजनिक स्वास्थ्य' में संजीदगी दिखानी होगी ।

आमतौर पर खान-पान की आदतों में बदलाव करके, अपनी शारीरिक गतिविधियों को बढ़ाकर और सुस्त जीवन-शैली से दूरी बनाकर हम मोटापे को काफी हद तक रोक सकते हैं । डिब्बाबंद या पैकेट बंद खाद्य पदार्थों का सेवन बंद करके, पोषक तत्त्वों की जानकारी देखकर, पैकेट बंद खाद्य पदार्थों की खरीददारी करके, खाद्य पदार्थों के विज्ञापनों के प्रलोभनों से बचकर इस समस्या से बचाव की शुरुआत की जा सकती है । नौजवानों और वयस्कों को पार्कों और उन स्थानों पर समय बिताना चाहिए, जहाँ उनकी शारीरिक गतिविधियाँ हो सकें या उनमें चलने की आदत विकसित हो सके । छोटे-छोटे कदम बढ़ाकर ही इस समस्या को हराया जा सकता है ।

(i) 'मोटापा सभी आयु, वर्ग और पृष्ठभूमि के व्यक्तियों को प्रभावित करता है ।' – कथन में 'पृष्ठभूमि' से क्या अभिप्राय है ? **1**

(A) पीछे की भूमि (B) आसपास का वातावरण

(C) शहरी-ग्रामीण क्षेत्र (D) पीछे का संदर्भ

(ii) गद्यांश के संदर्भ में आधुनिक जीवन-शैली का कौन सा घटक मोटापे की समस्या का कारक <u>नहीं</u> है ? **1**

(A) विश्राम की मानसिकता (B) अत्यधिक सक्रियता

(C) पैकेट बंद खाद्य पदार्थों का सेवन (D) शारीरिक गतिविधियों में कमी

(iii) 'पारिवारिक इतिहास' से आशय है – **1**

(A) आनुवंशिक प्रवृत्ति (B) पारिवारिक परंपरा

(C) पारिवारिक समृद्धि (D) वंशानुगत पृष्ठभूमि

(iv) मोटापे से क्या आशय है ? **1**

(v) मोटापे की समस्या को किस प्रकार नियंत्रित किया जा सकता है ? **2**

(vi) सार्वजनिक स्वास्थ्य और स्वास्थ्य के बीच का अंतर स्पष्ट कीजिए । **2**

(vii) मोटापे को एक गंभीर स्वास्थ्य समस्या क्यों माना गया है ? **2**

2. निम्नलिखित काव्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर दिए गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए : **8**

हरी बिछली घास ।
दोलती कलगी छरहरे बाजरे की ।

अगर मैं तुम को ललाती साँझ के नभ की अकेली तारिका
अब नहीं कहता,
या शरद के भोर की नीहार–न्हायी कुंई,
टटकी कली चम्पे की, वगैरह, तो
नहीं कारण कि मेरा हृदय उथला या कि सूना है
या कि मेरा प्यार मैला है ।

बल्कि केवल यही : ये उपमान मैले हो गये हैं ।

देवता इन प्रतीकों के कर गये हैं कूच ।

आज हम शहरातियों को

पालतु मालेच पर सँवरी जूही के फूल से

सृष्टि के विस्तार का – ऐश्वर्य का – औदार्य का –

कहीं सच्चा, कहीं प्यारा एक प्रतीक बिछली घास है,

या शरद की साँझ के सूने गगन की पीठिका पर दोलती कलगी

अकेली

बाजरे की ।

और सचमुच, इन्हें जब-जब देखता हूँ

यह खुला वीरान संसृति का घना हो सिमट आता है –

और मैं एकान्त होता हूँ समर्पित

शब्द जादू हैं –

मगर क्या समर्पण कुछ नहीं है ?

(i) 'उपमान मैले हो गए हैं' से अभिप्राय है – 1

(A) उपमानों का प्राचीन होना (B) उपमानों का समझ न आना

(C) संप्रेषण-शक्ति का अभाव होना (D) आकर्षण शक्ति का अभाव होना

(ii) काव्यांश के मूल भाव को व्यक्त करने वाला कथन **नहीं** है 1

(A) प्रकृति के प्रति प्रेम भाव (B) कवि की गहन सौंदर्य–चेतना

(C) ग्रामीण संस्कृति का वर्णन (D) पुराने प्रतीकों का खंडन

(iii) काव्यांश में नायिका के सौंदर्य की तुलना की गई है 1

(A) नभ की तारिका से (B) बाजरे की कलगी से

(C) चम्पे की कली से (D) ओस से भीगी कुमुदिनी से

(iv) कवि अपनी प्रेमिका से क्या प्रश्न करता है ? 1

(v) कवि परंपरागत उपमानों से प्रेयसी के सौंदर्य की तुलना क्यों नहीं करता ? 2

(vi) 'शब्द जादू है' 2

क्या यह समर्पण कुछ नहीं है ?' – पंक्तियों के आधार पर कवि के मनोभावों को व्यक्त कीजिए ।

खंड – ख

(अभिव्यक्ति और माध्यम पुस्तक के आधार पर)

3. निम्नलिखित तीन विषयों में से किसी **एक** विषय पर लगभग **100** शब्दों में रचनात्मक लेख लिखिए : 5

(i) स्वचित्र (सेल्फी) की बढ़ती प्रवृत्ति

(ii) क्यों नहीं बंद हो रहा प्लास्टिक प्रयोग

(iii) जब पिताजी की पदोन्नति हुई

4. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए :

(i) इंटरनेट से आप क्या समझते हैं ? (शब्द सीमा – लगभग **20** शब्द) **1**

(ii) लोकतांत्रिक समाज में अख़बारों की भूमिका स्पष्ट कीजिए । (शब्द सीमा – लगभग **40** शब्द) **2**

(iii) मुद्रित और इलैक्ट्रॉनिक माध्यमों में सामान्य समाचारों के अतिरिक्त अन्य क्षेत्रों या विषयों की जानकारी भी क्यों दी जाती है ? (शब्द सीमा – लगभग **40** शब्द) **2**

5. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं **दो** प्रश्नों के उत्तर लगभग **60** शब्दों में लिखिए : **2 × 3 = 6**

(i) मुद्रित माध्यमों के पाठकों को वो कौन सी सुविधाएँ प्राप्त हैं, जो श्रव्य माध्यम के श्रोताओं को नहीं हैं ?

(ii) विचारपरक लेखन से क्या अभिप्राय है ? समाचार पत्र-पत्रिकाओं में इनका क्या महत्त्व है ?

(iii) संचार का कोई भी माध्यम खेलों की खबर के बिना पूरा क्यों नहीं होता ? स्पष्ट कीजिए ।

6. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** प्रश्नों के उत्तर लगभग **60** शब्दों में लिखिए : **2 × 3 = 6**

(i) एक सशक्त नाटक को कमजोर नाटक से अलग करने वाले तत्त्व को उदाहरण सहित स्पष्ट कीजिए ।

(ii) सुमित्रानंदन पंत ने कविता के लिए चित्रभाषा की आवश्यकता पर बल क्यों दिया है ? उदाहरण सहित लिखिए ।

(iii) 'संवदिया' कहानी में लेखक ने चरित्र-चित्रण के किन-किन तरीकों का इस्तेमाल किया है ? 'कैसे लिखें कहानी' पाठ के संदर्भ में लिखिए ।

खंड – ग

(पाठ्यपुस्तकों अंतरा, अंतराल के आधार पर)

7. काव्य खंड पर आधारित निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं **दो** प्रश्नों के उत्तर लगभग **40** शब्दों में लिखिए : **2 × 2 = 4**

(i) 'लौटा लो यह अपनी थाती' – 'देवसेना का गीत' से उद्‌धृत इस पंक्ति का भाव स्पष्ट कीजिए ।

(ii) दीप के शक्तिशाली होते हुए भी अज्ञेय जी उसे समाज में शामिल करने की बात क्यों करते हैं ?

(iii) 'वसंत आया' कविता के कवि की चिंता है कि आज का मनुष्य प्रकृति से दूर हो रहा है, मनुष्य की प्रकृति से बढ़ती दूरी के दो कारणों का उल्लेख कीजिए ।

8. निम्नलिखित पठित काव्यांश को पढ़कर प्रश्नों के सर्वाधिक उपयुक्त विकल्प का चयन कर लिखिए : **5 × 1 = 5**

पूस जाड़ थरथर तन काँपा । सुरुज जड़ाइ लंक दिसि तापा ।।
बिरह बाढ़ि भा दारुन सीऊ । कँपि कँपि मरौं लेहि हरि जीऊ ।।
कंत कहाँ हौं लागौं हियरै । पंथ अपार सूझ नहिं नियरें ।।
सौर सुपेती आवै जूड़ी । जानहुँ सेज हिवंचल बूढ़ी ।।
चकई निसि बिछुरैं दिन मिला । हौं निसि बासर बिरह कोकिला ।।
रैनि अकेलि साथ नहिं सखी । कैसें जिऔं बिछोही पँखी ।।
बिरह सचान भँवै तन चाँड़ा । जीयत खाइ मुएँ नहिं छाँड़ा ।।
रकत ढरा माँसू गरु, हाड़ भए सब संख ।
धनि सारस होइ ररि मुई, आइ समेटहु पंख ।।

(i) रानी नागमती का शरीर थर-थर क्यों काँप रहा था ?

(A) पौष मास की हड्डियाँ कँपा देने वाली सर्दी के कारण

(B) पौष मास में राजा रत्नसेन की अनुपस्थिति के कारण

(C) सखी–सहेलियों की अनुपस्थिति के कारण

(D) सेज के हिवंचल मैं डूब जाने के कारण

(ii) 'कैसें जिऔं बिछोही पँखी' – पंक्ति में 'बिछोही पँखी' प्रयुक्त हुआ है –

(A) चकवी के लिए

(B) नागमती के लिए

(C) कोकिला के लिए

(D) पद्मावती के लिए

(iii) चकवी पक्षी का उल्लेख यहाँ किस उद्देश्य से किया गया है ?

(A) चकवा–चकवी कथा के कवि–सत्य से परिचित कराने हेतु

(B) रानी नागमती की विरह व्यथा का उल्लेख करने हेतु

(C) नागमती की विरह वेदना को चकवी के समान बताने हेतु

(D) नागमती की स्थिति को चकवी से हीन बताने हेतु

(iv) उपरोक्त काव्यांश में प्रधान रूप से किस रस की प्रधानता है ?

(A) श्रृंगार रस

(B) करुण रस

(C) वीभत्स रस

(D) शांत रस

(v) निम्नलिखित कथन तथा कारण को ध्यानपूर्वक पढ़िए और उचित विकल्प का चयन कीजिए :

कथन : राजा रत्नसेन की अनुपस्थिति में रानी नागमती मरणासन्न स्थिति में पहुँच गई है ।

कारण : विरहिणी नायिका को प्रिय तक पहुँचने का मार्ग नहीं मालूम ।

विकल्प :

(A) कथन तथा कारण दोनों गलत हैं ।

(B) कारण सही है, लेकिन कथन गलत है ।

(C) कथन सही है, लेकिन कारण कथन की गलत व्याख्या करता है ।

(D) कथन तथा कारण दोनों सही हैं तथा कारण, कथन की सही व्याख्या करता है ।

9. निम्नलिखित काव्यांशों में से किसी **एक** की सप्रसंग व्याख्या लगभग **100** शब्दों में कीजिए : **6**

(i) तोड़ो तोड़ो तोड़ो

ये ऊसर बंजर तोड़ो

ये चरती परती तोड़ो

सब खेत बनाकर छोड़ो

मिट्टी में रस होगा ही जब वह पोसेगी बीज को

हम इसको क्या कर डालें इस अपने मन की खीज को ?

गोड़ो गोड़ो गोड़ो

(ii) राधौ ! एक बार फिरि आवौ ।

ए बर बाजि बिलोकि आपने बहुरो बनहिं सिधावौ ।।

जे पय प्याइ पोखि कर-पंकज वार वार चुचुकारे ।

क्यों जीवहिं, मेरे राम लाडिले ! ते अब निपट बिसारे ।।

भरत सौगुनि सार करत हैं अति प्रिय जानि तिहारे ।

तदपि दिनहिं दिन होत झाँवरे मनहुँ कमल हिममारे ।।

सुनहु पथिक ! जो राम मिलहिं बन कहियो मातु संदेसो ।

तुलसी मोहिं और सबहिन तें इन्हको बड़ो अंदेसो ।

10. गद्य खंड पर आधारित निम्नलिखित तीन प्रश्नों में से किन्हीं **दो** प्रश्नों के उत्तर लगभग **40** शब्दों में लिखिए : **2 × 2 = 4**

(i) 'प्रेमघन की छाया स्मृति' पाठ में आचार्य शुक्ल के व्यक्तित्व पर प्रेमघन के प्रभाव का वर्णन हुआ है, आप किस साहित्यकार से प्रभावित हैं ? उनकी दो विशेषताओं का उल्लेख कीजिए।

(ii) 'बालक बच गया' प्रसंग में लेखक ने 'बालक और उसके वार्षिकोत्सव वाला' उदाहरण किस उद्देश्य से दिया है ? स्पष्ट कीजिए।

(iii) सिंगरौली क्षेत्र में खेतों में काम करती स्त्रियों को देखकर लेखक चिंता में क्यों पड़ गया ? पाठ के आधार पर लिखिए।

11. निम्नलिखित गद्यांश के आधार पर दिए गए बहुविकल्पीय प्रश्नों के सर्वाधिक उपयुक्त विकल्प चुनकर लिखिए : **5 × 1 = 5**

भीड़ लड़के ने दिल्ली में भी देखी थी, बल्कि रोज देखता था। दफ़्तर जाती भीड़, खरीद फ़रोख्त करती भीड़, तमाशा देखती भीड़, सड़क क्रॉस करती भीड़। लेकिन इस भीड़ का अंदाज़ निराला था। इस भीड़ में एकसूत्रता थी। न यहाँ जाति का महत्त्व था, न भाषा का; महत्त्व उद्देश्य का था और वह सबका समान था; जीवन के प्रति कल्याण की कामना। इस भीड़ में दौड़ नहीं थी, अतिक्रमण नहीं था और अनोखी बात यह थी कि कोई भी स्नानार्थी किसी सैलानी आनंद में डुबकी नहीं लगा रहा था। बल्कि स्नान से ज्यादा समय ध्यान ले रहा था। दूर जलधारा के बीच एक आदमी सूर्य की ओर उन्मुख हाथ जोड़े खड़े था। उसके चेहरे पर इतना विभोर, विनीत भाव था मानो उसने अपना सारा अहम त्याग दिया है, उसके अंदर 'स्व' से जनित कुंठा शेष नहीं है, वह शुद्ध रूप से चेतन स्वरूप, आत्माराम और निर्मलानंद है।

(i) हरिद्वार की भीड़ की विशेषता को प्रकट करने वाला विकल्प है

i. एकसूत्रता

ii. समान उद्देश्य

iii. भाषायी भिन्नता

iv. आर्थिक समानता

(A) i और ii दोनों

(B) i और iii दोनों

(C) i, ii और iii

(D) ii, iii और iv

(ii) 'कोई भी स्नानार्थी किसी सैलानी आनंद में डुबकी नहीं लगा रहा था ।' – का आशय है

(A) लोग आत्म-कल्याण की भावना से स्नान कर रहे थे, मनोरंजन के लिए नहीं ।

(B) पर्यटकों को गंगा में स्नान कर आनंद की अनुभूति हो रही थी ।

(C) गंगा में लोग सैलानियों की तरह स्नान नहीं कर रहे थे ।

(D) गंगा में भक्त बिना किसी भय के डुबकी लगा रहे थे ।

(iii) हर की पौड़ी पर स्नान करने वाले भक्त गंगा में _______ डुबकी लगा रहे थे ।

(A) सैलानियों की तरह

(B) भक्ति भाव से

(C) आनंद से

(D) अहं भाव से

(iv) गंगा में स्नान से ज्यादा समय लोग ध्यान पर क्यों लगा रहे थे ?

(A) जन कल्याण हेतु

(B) पापों से मुक्ति हेतु

(C) आत्म कल्याण हेतु

(D) मोक्ष प्राप्ति हेतु

(v) जलधारा के बीच सूर्य नमस्कार करते व्यक्ति के चेहरे पर लड़के को कौन सा भाव <u>नहीं</u> दिखाई दिया ?

(A) विनम्रता का (B) संतुष्टि का

(C) आनंद का (D) कुंठा का

12. निम्नलिखित गद्यांशों में से किसी **एक** की सप्रसंग व्याख्या लगभग **100** शब्दों में कीजिए : **6**

(i) हरगोबिन होश में आया । .... बड़ी बहुरिया का पैर पकड़ लिया, "बड़ी बहुरिया! .... मुझे माफ़ करो । मैं तुम्हारा संवाद नहीं कह सका । .... तुम गाँव छोड़कर मत जाओ । तुमको कोई कष्ट नहीं होने दूँगा । मैं तुम्हारा बेटा ! बड़ी बहुरिया, तुम मेरी माँ, सारे गाँव की माँ हो ! मैं अब निठल्ला बैठा नहीं रहूँगा । तुम्हारा सब काम करूँगा । .... बोलो, बड़ी माँ, तुम .... तुम छोड़कर चली तो नहीं जाओगी ?"

बड़ी बहुरिया गरम दूध में एक मुट्ठी बासमती चूड़ा डालकर मसकने लगी । .... संवाद भेजने के बाद से ही वह अपनी गलती पर पछता रही थी ।

(ii) जो समझता है कि वह दूसरों का उपकार कर रहा है वह अबोध है, जो समझता है कि दूसरे उसका अपकार कर रहे हैं वह भी बुद्धिहीन है । कौन किसका उपकार करता है, कौन किसका अपकार कर रहा है ? मनुष्य जी रहा है, केवल जी रहा है; अपनी इच्छा से नहीं, इतिहास-विधाता की योजना के अनुसार । किसी को उससे सुख मिल जाए, बहुत अच्छी बात है; नहीं मिल सका, कोई बात नहीं, परंतु उसे अभिमान नहीं होना चाहिए । सुख पहुँचाने का अभिमान यदि गलत है तो दुख पहुँचाने का अभिमान तो नितरां गलत है ।

13. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं **दो** प्रश्नों के उत्तर लगभग **100** शब्दों में लिखिए : **2 × 5 = 10**

(i) गाँव भर में हुए अपने अपमान का बदला लेने के लिए भैरों द्वारा किए गए कृत्य की 'सूरदास की झोंपड़ी' पाठ के संदर्भ में समीक्षा कीजिए । यदि आप भैरों की जगह होते तो क्या करते ? तर्कपूर्ण उत्तर दीजिए ।

(ii) 'बिस्कोहर की माटी' पाठ के केंद्र में क्या है ? विस्तारपूर्वक लिखिए ।

(iii) 'नदी का सदानीरा रहना, जीवन के स्रोत का सदा जीवित रहना है ।' – इस कथन की पुष्टि 'अपना मालवा खाऊ ......' पाठ के संदर्भ में कीजिए ।